Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3022 [Total No. of Pages : 2

[5202]Ext.-11

M.A. (Part - I) (For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 1 : सामान्य स्तर

प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

(अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास, बिहारी और भूषण)

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) अमीर खुसरो के काव्य में चित्रित समाज का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'' 'पद्मावत' में इतिहास और कल्पना का सुयोग्य मिलाप हुआ है,'' स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) ''सूरदास का भ्रमरगीत' एक श्रेष्ठ उपालंभ काव्य है,'' स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

बिहारी के संयोग –वियोग निरूपण पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) भूषण के काव्य में चित्रित 'राष्ट्रीय चेतना' को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) 'पद्मावत' के राजा रत्नसेन,

ख) 'भ्रमरगीत' के उद्धठ

ग) मुक्तककार बिहारी,

घ) भूषण के काव्य की भाषा ।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए ।

क) अमीर खुसरो के गीतों की विशेषताएँ लिखिए ।

ख) पद्मावत के सौंदर्य वर्णन को स्पष्ट कीजिए ।

ग) बिहारी के शृंगार वर्णन का विवेचन कीजिए ।

घ) भूषण के काव्य की रसयोजना स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

अ) नित मेरे घर वह आवत है ।
रात गए फिर वह जावत है ।
फँसत उमावस गोरि के फंदा ।
ऐ सरवी साजन ना सरवी चंदा ।

अथवा

लाग कुवार नीर जग घटा । अबहूँ आउ कंत तन लटा ।।
तोहि देखे पिउ ! पलुहै कया । उतरा चीतु बहुरि करू मया ।।
चित्रा मित्र मीन कर अवा । पपिहा पीउ पुकारात पावा ।।
उआ अगस्त, हास्ति बन गाजा । तुरय पलानी चढ़े रन राजा ।।
स्वाति बूँद चातक मुख परे । समुद सीप मोती सब भरे ।।
सरवर सँवरि हंस चली आए । सारस कुरलहिं, खँजन देखाए ।।
भा परगास, काँस घन फूले । कत न फिरे बिदेसहिं भूले ।।

आ) फिरि फिरि कहा सिखावत बात?
प्रातकाल उठि देखत ऊधो घर घर माखन खात ।।
जाकी बात कहत है । हम सों सो है हम सों दूरी ।।
ह्याँ है निकट जसोदा नंदन प्रात–सजीवनभूरि ।।
बालक संग लये दधि चोरत खात खबावत डोलत ।।
सूर सीस धुनि चौंकत नावहिं अब कहि न मुख बोलत?

अथवा

जा पर साहि तनै शिवराज सुरेस कि ऐसी सभा सुभ साजै,
यों कवि भूषण जंपत हैं लखि संपति को अलकापति लाजै ।।
जा मधि तीनिहु लोक कि दीपति ऐसो बड़ो गढ़राज बिराजै ।
वारि पताल सी माची मही अमरणति की छवि ऊपर छाजै ।।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3023 [Total No. of Pages : 2

[5202]Ext.-12

M.A. (Part - I) (For External)

(हिंदी) HINDI

प्रश्नपत्र – 2 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

(उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध)

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

2) सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है ।

प्रश्न 1) उपन्यास विधा के विकासक्रम का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

अथवा

'कलि–कथा: वाया बाइपास' के प्रमुख पात्रों के चरित्र विकास पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) कहानी तत्वों के आधार पर 'रिमाइण्डर' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

''हंसा जाई अकेला' कहानी में जन सामान्य की मोहभंग त्रासदी उद्धृत है।'' स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) ''तुकाराम के संतापों और संघर्षों, उनकी सृजनात्मक अकुलाहट और छटपटाहट के धरातलों से मैं बार–बार मथा जाता रहा ।'' अभंग गाथा' के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'अभंग गाथा' नाटक की शिल्पगत संरचना का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 4) ''प्रेम की पवित्रता तथा नारी के प्रति आत्मीयता का संदेश 'ताज' की मानकता का प्रमाण है'' स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'पानी है अनमोल' निबंध की समीक्षा कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) 'कलिकथा: वाया बाइपास'उपन्यास का उद्देश्य

ख) 'पुरस्कार' कहानी के शीर्षक की सार्थकता

ग) 'अंभगगाथा' नाटक की जिजाई

घ) 'नीलकंठ उदास' निबंध में चित्रित वेदना

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3024 [Total No. of Pages : 2

[5202]Ext.-13

M.A. (Part - I) (For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 3 : विशेष स्तर

भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) रस निष्पत्ति में रस के अवयवों का योगदान स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) रीति संप्रदाय का विवेचन करते हुए रीति भेदों को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

आचार्य क्षेमेंद्र के औचित्य विषयक विचारों को स्पष्ट करते हुए अन्य सिद्धांतो के संदर्भ में औचित्य का महत्व विशद कीजिए ।

प्रश्न 3) प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) उदात्त के अंतरंग एवं बहिरंग तत्वों को विशद कीजिए ।

अथवा

आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का उल्लेख करते हुए तुलनात्मक तथा सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) साधारणीकरण की अवधारणा

ख) अलंकार और रस

ग) काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या

घ) अस्तित्ववाद।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3025 [Total No. of Pages : 8

[5202]Ext.-14

M.A. (Part - I) (For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक (Paper - IV)

(विशेष साहित्यकार अथवा विशेष विधा तथा अन्य)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

अ) कबीर तथा तुलसीदास

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) संतकाव्य परम्पश का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

अथवा

कबीर के विद्रोही स्वरूप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) कबीर के दार्शनीक विचारों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

कबीर के राम का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) तुलसीदास के लोकनायकत्वं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

रामचरितमानस के कथानक को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) भक्तिकाव्य में 'विनयपत्रिका' का स्थान स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'विनयपत्रिका' की समन्वय भावना पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

अ) ''कबीर गुरू गरवा मिल्या रलि गया आटैं लूँण ।
जाति पाँती कुल सब मिटै, नांव धरोगे कौण ।।''

अथवा

''बहुत दिनन की जोवती, बाट तुम्हारी राम ।
जिव तरसै तुझ मिलन कूँ,मनि नाहीं विश्राम।।''

ब) सुनत राम अभिषेक सुहावा । बाज गहागह अवध बधावा ।।
राम सिय तन सगुन जनाए । फरकहिं मंगल अंग सुहाए ।।
पुलकि सप्रेम परसपर कहहिं । भरत आगमनु सूचक अहही ।।
भए बहुत दिन अति अवसेरी । सगुन प्रतीति भेंट प्रिय केरी ।।
भरत सरिस प्रिय को जग माहीं । इहइ सगुन फलु दुसर नाहीं ।।
रामहि बंधु सोच दिनराती । अंकन्हि कमठ हद्य जेहि भाँति ।।

अथवा

हाट बाट घर गली अथाई । कहहिं परसपर लोग लोगाई ।।
कालि लगन भलि केतिक बारा । पूजिहि बिधि अभिलाषु हमारा ।।
कनक सिंहासन सीय समेता । वैठहिं रामु होइ चित चेता ।।
सकळ कहहिं कब होइहि काली । बिघत मनावहिं देव कुचाली ।।
तिन्हहि सोहाइन अवध बधावा । चोरहि चंदिनी राति न भावा ।।
सारद बोली बिनयसुर करहीं । बारहिं बार पाय लै परहीं ।।

Total No. of Questions : 5]

P3025

[5202]Ext.-14

M.A. (Part - I) (For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक (Paper - IV)

आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'परिशिष्ट' उपन्यास की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'गोदान' के आधार पर प्रेमचंदजी के चरित्र–चित्रण की विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए ।

प्रश्न 2) हिंदी उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए ।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास के आधार पर चित्रलेखा के चरित्र विकास पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) हिंदी यात्रा साहित्य का विकासक्रम स्पष्ट करते हुए उसमें अज्ञेय का स्थान निर्धारित कीजिए ।

अथवा

''निर्मल वर्मा के यात्रा साहित्य में प्रकृति की मनोरम झाँकियाँ दिखाई देती है,'' 'चीड़ो पर चाँदनी' के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 4) यात्रा साहित्य की परिभाषा और स्वरूप लिखकर यात्रा साहित्य की विशेषताओं को विशद कीजिए ।

अथवा

यात्रा साहित्य के तत्वों के आधार पर 'सूर्य मंदिरो की खोज में' की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''मनुष्य परतंत्र है । परिस्थितियों का दास है, लक्ष्यहीन है ।
एक अज्ञात शक्ति प्रत्येक व्यक्ति को चलाती है ।
मनुष्य की इच्छा का कोई मूल्य ही नहीं है । मनुष्य स्वावलंबी नहीं है, वह कर्ता भी नहीं है,
साधन मात्र है ।

अथवा

''खालील मियाँ के खेत चले गये, उनकी शान–शौकत चली गयी,
उनकी किस्मत रूठ गयी । मगर खलील मियाँ में अभी इतनी
गैरत बाकी है कि वे एक अदने आदमी की नालायकी के लिए
पूरी कौम को गुनहगार नहीं मान सकते ।''

ख) ''खिड़की खुलने पर उसके बाहर जो दीखा उसके बारे में एकमत
होना ही सब–कुछ नहीं है, सारे परस्पर विरोध के बावजूद
इस बात का महत्व अक्षुण्ण रहता है कि खिड़की खुली है... ।''

अथवा

''झील का रंग आकाश के रंग से मिल जाता है ..... मानो''
आस–पास की पहाड़ियों के बीच आकाश का ही एक टुकड़ा
तारों समेत नीचे आकर औंधा पड़ गया है ।

Total No. of Questions : 5]

P3025

[5202]Ext.-14

M.A. (Part - I) (For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक (Paper - IV)

इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा कवि रामधारी सिंह दिनकर

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) सुरेंद्र वर्मा के नाटकों की प्रयोगशीलता का विवेचन कीजिए ।

अथवा

सुरेंद्र वर्मा के नाटकों की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक का शीर्षक स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'सेतुबंध' रचना का कथानक ऐतिहासिक है परंतु उसके पात्र आधुनिक हैं' – कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) 'कवि दिनकर के काव्य में आधुनिकता बोध के दर्शन होते हैं ।' कथन का विवेचन कीजिए ।

अथवा

दिनकर के काव्य में राष्ट्रीयता का स्वर प्रबल है' – पठित रचनाओं के आधार पर कथन को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) 'उर्वशी' एक सफल मिथकीय रचना है – सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

अथवा

'कुरूक्षेत्र' काव्य की प्रबंधात्मकता का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''अगर शासन मेरी रचना पर यहाँ रोक लगाएगा,
तो वह दूसरे राज्य में सप्तम सुर में सुनी जाएगी ।
मुझे बंदीगृह में डाल देगा, तो संकीर्णबुद्धि और कुटिल मन कहलाएगा ।''

अथवा

''कैसा भविष्य? संकट यहाँ है–तांडव कर रहा है
हमारे सामने .... एक–एक घड़ी, एक–एक पल यह कलुपित
ग्रंथ बिक रहा है और हमारी हवा में विष घोल रहा है । ''

ख) ''गृहिणी जाती हार दाँव संपूर्ण समर्पण करके,
जयिनी रहती बनी अप्सरा ललक पुरूष में भरके ।
पर क्या जाने ललक जगाना नर में गृहिंणी नारी?
जीत गई अप्सरा, सखी । मैं रानी बन कर हारी ।''

अथवा

''चालीस कोटि के पिता चले,
चालीस कोटि के प्राण चले,
चालीस कोटि हतभागों की
आशा, भुजबल, अभिमान चले।''

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5]

P3025

[5202]Ext.-14

M.A. (Part - I) (For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेषस्तर : वैकल्पिक (Paper - IV)

ई) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी दलित साहित्य

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी प्रयुक्तियों का परिचय दीजिए ।

अथवा

कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए पत्र लेखन का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 2) विज्ञापन लेखन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी भाषिक विशेषताएँ विशद कीजिए ।

अथवा

अनुवाद की परिभाषा देते हुए उनके प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 3) विविध क्षेत्रों में कम्प्युटर का महत्व एवं योगदान विशद कीजिए ।

अथवा

''दलित साहित्य अत्यंत धैर्य और सुझबूझ के साथ अपने दायित्व का निर्वाह कर रहा है। '' इस विधान के आलोक में दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) 'गूँगा नहीं था मैं' में व्यक्त अंतरीक संघर्ष स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'व्यवस्था परिवर्तन ही जस तस भई सबेर का संदेश है । 'स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''माई बाप मैं निर्दोष हूँ । मैंने कोई चोरी–वोरी नहीं की
मुझे तो इस मामले में झूठा व रंजिशन फँसाया गया है । ''

अथवा

चूहड़े के, तू द्रोणाचार्य से अपनी बराबरी करे है ..... ले तेरे ऊपर मैं महाकाव्य लिखूँगा...''

ख) ''ससुरे, यूँ कहवे थे कि अब तो दलित समाज में लड़के और लड़कियाँ बड़ी–बड़ी किलासों में पढ़ने लगे हैं ....., लगभग
दो साल होने को आए हमारी संतोष के लिए तो दसवी' पास भी लड़का ना मिल पा रहा।''

अथवा

''कलम चलती है
कलेजों पर भी
कलम से काटे जाते हैं वेतन
दिहाड़ी मजदूरों के
धोप दिए जाते हैं खंजर
भूखे पेटों में ।''

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3026 [Total No. of Pages : 2

[5202]Ext.-15

M.A. (Part - II) (For External)

HINDI (हिंदी)

(2013 पॅटर्न)

प्रश्नपत्र – 5 : सामान्य स्तर–आधुनिक काव्य

(महाकाव्य, खंडकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

पाठ्यपुस्तकें : i) 'कामायनी' जयशंकर प्रसाद

ii) गोपा गौतम् – जगदीश गुप्त

iii) विशेष कवि कुवर नारायण – संपा.डॉ. सुरेश बाबर
डॉ. नीला बोर्वणकर

iv) नई कविता: संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) 'कामायनी' के रूपक को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'कामायनी' के चरित्र–चित्रण पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) खंडकाव्य के तत्वों के आधार पर गोपा गौतम की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

'गोपा गौतम' मे चित्रित वातावरण का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) कुँवर नारायण की वैचारिकता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कुँवर नारायण के काव्य की शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 4) ''उदय प्रकाश' की कविताएँ नई कविता के अनुभूति पक्ष को सशक्त रूप में साकार करती है'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

''दामोदर मोरे की कविता सामाजिक यथार्थ का आईना है'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) ''कौन हो तुम वसंत के दूत विरस पतझड़ में अति सुकुमार ।
घन तिमिर में चपला सी रेख, तपन में शीतल मंद बयार ।''

अथवा

''अपना कर्म अपने साथ होता है
अपना भाग्य अपने हाथ होता है
तुमसे मुझको जो कुछ कहना था,
कह चुका ।
जितना गृहस्थी में रहना था,
रह चुका ।
अब मुझको जाने दो ।
कुछ सार्थक पाने दो ।''

ख) ''कम ही बोलते हैं विद्वान
चुप ही देखा गया है उन्हें ज्यादातर
हँसते उन्हें देख पाना एक कठिन–सी चीज है
और जोर–जोर से हँसते तो बिल्कुल भी नहीं।''

अथवा

''दिनों दिन मेरा यह प्रेम–रोग बढ़ता ही जा रहा
और इस वहम ने पक्की जड पकड ली है
कि यह प्रेम किसी दिन मुझे
स्वर्ग दिखा कर ही रहेगा ।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3027 [Total No. of Pages : 2

[5202]Ext.-16

M.A. (Part - II) (For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 6 : विशेष स्तर (बहिस्थ)

भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) स्वनिम की परिभाषा देते हुए स्वनिम के स्वरूप और विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

भाषा विज्ञान की शाखाओं का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद लिखिए ।

अथवा

अर्थ परिवर्तन के कारणों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय दीजिए ।

अथवा

डॉ. चटर्जी और हरदेव बाहरी द्वारा किया गया आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए ।

प्रश्न 4) देवनागरी लिपि के उद्भव और विकास का विवेचन कीजिए ।

अथवा

हिंदी शब्द निर्माण में उपसर्ग और प्रत्यय का महत्व सोदाहरण लिखिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) भाषा विज्ञान और साहित्य

ख) अर्थ संकोच

ग) हिंदी शब्द निर्माण और समास

घ) ग्रियर्सन का अंतिम वर्गीकरण

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3028 [Total No. of Pages : 2

[5202]Ext.-17
M.A. (Part - II) (For External)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 7 (बहिस्थ) : विशेषस्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तथा आधुनिक काल)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) हिंदी साहित्य के इतिहास दर्शन को विशद कीजिए ।

अथवा

आदिकालीन रासो साहित्य का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 2) भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निर्गुण संतकाव्य की विशेषताओं का विवेचन करते हुए उसमें संत कबीर के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) रीतिकालीन राजनीतिक धार्मिक, एवं सामाजिक परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

रीतिमुक्त काव्य की विषयगत और शैलीगत प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 4) प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी साहित्य का परिचय देते हुए कहानीकार जैनेंद्रकुमार के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

भारतेन्दु युगीन कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) कवि विद्यापति

ख) हिंदी सूफी कवि

ग) रीतिकालीन कवि देव

घ) समकालीन कविता की विशेषताएँ ।

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P3029 [Total No. of Pages : 4

[5202]Ext.-18

M.A. (Part - II) (For External)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : वैकल्पिक (बहिस्थ)

अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) समकालीन आलोचना की विभिन्न अवधारणाओं को संक्षिप्त रूप में स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

आलोचना के स्वरूप एवं प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएँ विशद कीजिए ।

अथवा

डॉ. नामवर सिंह की आलोचना का स्वरूप देकर उसकी विशेषताएँ समझाइए ।

प्रश्न 3) ''अनुसंधान और आलोचना दोनों साहित्यान्वेषण की दो विधियाँ हैं ।'' स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) अनुसंधान की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए ।

अथवा

साहित्यिक अनुसंधान के प्रकार सोदाहरण लिखिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) आलोचना की प्रक्रिया

ख) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी,

ग) अनुसंधान में सामग्री संकलन का महत्व,

घ) पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत ।

Total No. of Questions : 5]

P3029

[5202]Ext.-18
M.A. (Part - II) (For External)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 : वैकल्पिक (बहिस्थ)
आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) अनुवाद का स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

विधा के आधार पर अनुवाद के प्रकार स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद के स्वरूप एवं आवश्यकता को विशद कीजिए ।

अथवा

अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता एवं निकष स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) जनसंचार माध्यम और हिंदी साहित्य के सहसंबंध पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

भारत में पत्रकारिता का आंरभ और हिंदी पत्रकारिता के उद्‌भव को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) रेडियो और टिवी की पत्रकारिता पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

प्रिंट पत्रकारिता के संदर्भ में संपादन कला का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) भावानुवाद

ख) अनुवाद: कला या विज्ञान

ग) साहित्येतर अनुवाद

घ) पत्रकारिता का सामाजिक दायित्व

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5]

P3029

[5202]Ext.-18
M.A. (Part - II) (For External)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर वैकल्पिक (बहिस्थ)
इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) लोकसाहित्य संकलन की समस्याएँ एवं समाधान को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लोकसाहित्य के स्वरूप एवं महत्व का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) लोकगीतों की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लोकगाथा की परिभाषा देकर नल–दमयंती की लोकगाथा का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) भारतीय साहित्य के स्वरूप एवं विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'भारतीय किसानों की समस्याओं का कोई अंत नहीं: बारोमास के आधार पर कथन की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 4) 'खानाबदोश' में चित्रित जीवन–संघर्ष का वर्णन प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'नागमंडल' की कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) लोककथाओं का वर्गीकरण

ख) लोकनाट्य भारूड

ग) 'खानाबदोश' का शीर्षक

घ) 'नागमंडल' में पात्र योजना ।

⊖⊖⊖